

अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.



परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2025

परीक्षा का नाम : मध्यमा पूर्ण

विषय : कथक

दि. 16/11/2025 समय : 3 घंटे (सुबह 9 से 12) कुल अंक : 100

- सूचना : 1) प्रथम प्रश्न अनिवार्य है ।
2) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें ।
3) सभी प्रश्न के अंक समान है ।

प्र.1) लिपीबद्ध करें। (5x4=20)

- 1) रूपक में एक फरमाईशी चक्रदार परण ।
- 2) एकताल में एक तिहाई ।
- 3) झपताल में एक कवित्त ।
- 4) एकताल में एक तोडा ।
- 5) तीलताल में एक गणेश परण ।

प्र.2) अ) जयपूर और लखनऊ घराने की वंश परंपरा लिखिए । (10)

ब) बनारस घराने की विशेषता लिखिए । (10)

प्र.3) तीनताल के ठेकी की : (5x4=20)

- 1) पौनी $\frac{3}{4}$
- 2) बिआडी $1\frac{3}{4}$
- 3) कुआडी $1\frac{1}{4}$
- 4) आडी $1\frac{1}{2}$

प्र.4) कालिया दमन यह गतभाव की विस्तृत कथा (20)
समझाकर, उनमें प्रयोग होनेवाली 5 हस्तमुद्राओं की परिभाषा तथा प्रयोगात्मकता लिखिए ।

प्र. 5) रिक्त स्थानों की पूर्ती किजिए ।

(20)

- 1) 11 वी शताब्दी में दिखाई गई परंपरा, मंदिर परंपरा का भाग है ।
- 2) मीराबाई भगवान के पदे गाकर मंदिरों में प्रस्तुत करती थी ।
- 3) परंपरा के प्रभाव की वजह से घागरा, चोली को छोड़कर अंगरखा, चुनीदार, पजामा, दुपल्ली, टोपी यह पहराव अपनाया गया ।
- 4) रायगड के राजा इन्होंने ताल तोल निधी, मुरजवर्ण पुष्पाकर जैसे ग्रंथ लिखे ।
- 5) मंदिर परंपरा और परंपरा में राधा कृष्ण को समान महत्त्व दिया है ।
- 6) अभिनय यह शब्द संस्कृत भाषा के धातु से बना है ।
- 7) लखनऊ के नवाब वाजिद अली शाह के आश्रम में अभिनय का अंग विकसित हुआ ।
- 8) अभिनय भेदों में अभिनय को सर्वप्रथम स्थान दिया है ।
- 9) आंगिक भुवनं यस्य सर्ववाङ्मयम् ।
आहार्यं चंद्रतारादि तं नुमः सात्त्विकं शिवम् ॥
- 10) पं. अच्छन महाराज जी के सुपुत्र थे ।
- 11) कालिया दमन यह गतभाव नर्तन के भेद में समाविष्ट होता है ।
- 12) नृत्य पुरुष प्रधान होता है ।
- 13) हरिहर प्रसादजी और हनुमान प्रसादजी घराना के नर्तक थे ।
- 14) कथक नृत्यशैली का घराना प्रमुख माना जाता है ।
- 15) 'धा त क थुं गा' यह बोल घराने के प्रसिद्ध बोल है ।
- 16) पं. अच्छन महाराज जी इनका जन्म सन में हुआ था ।
- 17) अभिनय के कुल प्रकार है ।
- 18) घराने के नृत्य पर लास्य का अधिक प्रभाव दिखाई देता है ।
- 19) 'नाधिंधिंना' घराने की विशेषता है ।
- 20) जो मुद्रा एक हात से की जाती है उसे हस्तमुद्रा कहते हैं ।

प्र. 6) कथक नृत्य के अध्ययन की शारीरिक, मानसिक और
बौद्धिक उपयोगता समझाये ।

(20)

प्र.7) जीवन लिखिये। (कोई 2)

(10+10=20)

- 1) पं. लच्छू महाराज
- 2) पं. नारायण प्रसाद
- 3) पं. शंभू महाराज

Exam : Madhyama Purna

Subject : Kathak

Date : 16/11/2025 Timing : 9 am to 12 noon Total Marks - 100

- Note : 1) Question No. 1 is compulsory.
2) Answer any 4 questions from the remaining questions.
3) All questions carries equal marks.

Q.1) Write Notations. (5x4=20)

- 1) Farmaishi Chakradar Paran in Rupak.
- 2) Tihai in Ektaal.
- 3) Kavitt in Jhaptaal.
- 4) Toda in Ektaal.
- 5) Ganesh Paran in Teentaal.

Q.2) a) Give a detailed information about the lineage of Jaipur and Lucknow Gharanas. (10)

b) Write the Speciality of Banaras Gharana in details. (10)

Q.3) Write the notations of Teentaal Theka. (5x4=20)

- 1) Pouni $\frac{3}{4}$
- 2) Biadi $1\frac{3}{4}$
- 3) Kuadi $1\frac{1}{4}$
- 4) Aadi $1\frac{1}{2}$

Q. 4) Explain the story of Kaliya Daman Gatbhav in detail and also elaboratively write about 5 mudras used in the Gatabhav with its uses. (20)

Q. 5) Fill in the blanks. (20)

- 1) Parampara of 11th century is a part of Mandir Parampara.

- 2) Meerabai used to sing the compositions of Lord and present them in the temples.
- 3) Due to the influence of Parampara, the attire changed from Ghagra Choli to Angarkha, Chunidar, Pajama, Dupalli Topi.
- 4) Granth like Taal Toy Nidhi, Murajvarn Pushpakar were written Raja of Raigad.
- 5) In Mandir Parampara and Parampara, Radha Krishna have been given equal importance.
- 6) The word 'Abhinay' is derived from root of Sanskrit language.
- 7) aspect of Abhinay developed largely in the patronage of Nawad Wajid Ali Shah of Lucknow.
- 8) Abhinay has been given the first place from all types of Abhinaya Bhedas.
- 9) Angikam Bhuvanam Yasya
Sarovangmaym I
Aaharyam Chandrataradi Tum Numah Satvikam
Shivam II
- 10) Pandit Acchan Maharaj Jee was the son of
.....
- 11) Kaliya Daman Gadbhav is included in type of Nartan Bhedas.
- 12) nritya is male dominant.
- 13) Harihar Prasad Jee and Hanuman Prasa Jee were the dancers of Gharana.
- 14) Gharana is considered as the main Gharana of Kathak dance.
- 15) 'धा त क थुं गा' as considered as the famous bols of Gharana.
- 16) Pandit Acchan Maharaj Jee was born in year
.....
- 17) There are types of Abhinay in total.

- 18) Influence of Lasya Nritya is seen on the nritya of Gharana.
- 19) 'नाधिधिना' is the sepciality of Gharana.
- 20) The mudra which is adorned with one hand is called as Hastmudra.

**Q. 6) Explain the physical, psychological & (20)
intellectual usefulness in the study of Kathak
dance.**

Q. 7) Write the Biography. (Any 2) (10+10=20)

- 1) Pandit Lacchu Maharaj.
- 2) Pandit Narayan Prasad
- 3) Pandit Shambhu Maharaj